भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. , मुंबई में 29 जुलाई 2024 को छात्र उद्यमियों को सशक्त बनाने: सतत जलीय कृषि के लिए एक्वाफीड का नवाचार पर एक दिवसीय विचार-मंथन सत्र का आयोजन एवं **मीठे पानी के सजावटी मछली आहार "सीआईएफईग्लोएक्स" का विमोचन**

भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई के मत्स्य पोषण, जैव रसायन और शरीर क्रिया विज्ञान (एफएनबीपी) विभाग ने दिनांक 29 जुलाई 2024 को **छात्र उद्यमियों को सशक्त बनाने: सतत जलीय कृषि के लिए एक्वाफीड का नवाचार पर एक विचार-मंथन सत्र** का सफलतापूर्वक आयोजन किया । कार्यक्रम का उद्घाटन एनडीआरआई करनाल के निदेशक/कुलपति डॉ. धीर सिंह ने भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. के निदेशक और कुलपति डॉ. रविशंकर सीएन, संयुक्त निदेशक डॉ. एन पी साहू और डॉ. के.एन. की उपस्थिति में किया गया । डॉ केदार नाथ मोहंता, विभागाध्यक्ष, एफएनबीपी विभाग, इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के संयोजक थे । अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ सिंह ने विशेष रूप से मत्स्य पालन और डेयरी क्षेत्रों में छात्रों के लिए उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला क्योंकि वे देश में दो सबसे तेजी से बढ़ते कृषि क्षेत्र हैं । उन्होंने छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने में आईसीएआर संस्थान/एसएयू/सीएयू के कृषि-व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र के महत्व पर बल दिया । डॉ रविशंकर ने अपने छात्रों को नामांकित करने के लिए भारत भर के 13 मत्स्य महाविद्यालयों के सभी डीन को धन्यवाद दिया । उन्होंने छात्रों से उद्योग संचालित समस्या समाधान करने की अपील की । डॉ साहू ने उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने के लिए जलीय कृषि में फ़ीड के महत्व पर प्रकाश डाला । डॉ मोहंता ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस कार्यक्रम के आयोजन के महत्व को रेखांकित किया एफएनबीपी डिवीजन (वैज्ञानिक: डॉ. सिकंदर कुमार, डॉ. के.एन. मोहंता और डॉ. एन.पी. साहू) द्वारा विकसित मीठे पानी का सजावटी मछली फ़ीड जारी किया गया, जिसका उपयोग सामुदायिक एक्वेरियम टैंक में गोल्डफ़िश, कोइ कार्प, बार्ब्स, गप्पी, मोली, टेट्रा, स्वोर्डटेल, एंजेल फ़िश आदि मछली प्रजातियों को पालने के लिए किया जा सकता है । इसके अलावा, एफएनबीपी विभाग द्वारा विकसित CIFE GlowX, CIFEGreen, CIFEWint नामक चार फ़ीड और उत्पाद प्रोफाइल के ब्रोशर भी जारी किए गए । इस कार्यक्रम में 14 एक्वाफ़ीड उद्योगों के विशेषज्ञ, 5 प्रगतिशील मत्स्य किसान-सह-उद्यमी, भारत भर के 13 मत्स्य महाविद्यालयों के 31 छात्र और FNBP डिवीजन के 50 से अधिक छात्रों सहित कुल 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया । उपयोग सामुदायिक एक्वेरियम टैंक में गोल्डफ़िश, कोइ कार्प, बार्ब्स, गप्पी, मोली, टेट्रा, स्वोर्डटेल, एंजेल फ़िश आदि मछली प्रजातियों को पालने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, एफएनबीपी डिवीजनों द्वारा विकसित CIFE GlowX, CIFEGreen, CIFEWint नामक चार फ़ीड और उत्पाद प्रोफाइल के ब्रोशर भी जारी किए गए। इस कार्यक्रम में 14 जलीय आहार उद्योगों के विशेषज्ञ, 5 प्रगतिशील मछली किसान-सह-उद्यमी, भारत भर के 13 मत्स्य महाविद्यालयों के 31 छात्र और FNBP डिवीजन के 50 से अधिक छात्रों सहित कुल 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

Fig 1: Inaugural Speech by Dr. Dheer Singh, Director, ICAR-NDRI, Karnal

Fig 2: Address by Dr. Ravishanka C.N., Director, ICAT-CIFE, Mumbai

Fig 3 : Address by Dr. N. P. Sahu, Joint Director, ICAR-CIFE, Mumbai

Fig 4: Release of "**CIFEGlowX"** a Freshwater Ornamental Fish Feed in the inauguration programme by Dr Dheer Singh, Director, ICAR-NDRI, Karnal

Fig 5: Technical session in the Brainstorming Session on "Empowering Student Entrepreneurs: Innovating Aquafeed for Sustainable Aquaculture

Fig 6: Dignitaries and participants of the Brainstorming Session on "Empowering Student Entrepreneurs: Innovating Aquafeed for Sustainable Aquaculture